१. वसंत-वर्षा

– पद्‌माकर भट्‌ट

संभाषणीय

‘मेरी प्रिय ऋतु’ पर चर्चा कीजिए :–

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

● भारत में कौन-कौन सी ऋतुएँ हैं, उनके बारे में पूछें । ● ऋतुओं के कारण प्रकृति में होने वाले विविध परिवर्तनों पर चर्चा कराएँ । ● उनकी प्रिय ऋतु कौन-सी है और क्यों, इसपर विद्‌यार्थियों को लिखने के लिए कहें।

कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में
क्यारिन में कलिन में कलीन किलकंत है ।
कहे पद्‌माकर परागन में पौनहू में
पानन में पीक में पलासन पगंत है ।
दुवार में दिसान में दुनी में देस-देसन में
देखौ दीप-दीपन में दीपत दिगंत है ।
बीथिन में ब्रज में नवेलिन में बेलिन में
बनन में बागन में बगरयो बसंत है ।।१।।

मल्लिक न मंजुल मलिंद मतवारे मिले,
मंद-मंद मारुत मुहीम मनसा की है ।
कहै ‘पद्‌माकर’ त्यों नदन नदीन नित,
नागर नबेलिन की नजर नसा की है ।
दौरत दरेर देत दादुर सु दुंदै दीह,
दामिनी दमकंत दिसान में दसा की है ।
बद्‌दलनि बुंदनि बिलोकी बगुलात बाग,
बंगलान बलिन बहार बरषा है ।।२।।

—०—

परिचय

जन्म : १७५३ सागर (म.प्र.)
मृत्यु : १८३३
परिचय : पद्‌माकर भट्‌ट रीतिकालीन कवियों में श्रेष्ठ स्थान रखते हैं । आपने कल्पना के माध्यम से शौर्य, शृंगार, भक्ति, प्रेम, मेलों-उत्सवों, युद्‌धों और प्राकृतिक सौंदर्य का मार्मिक चित्रण किया है । आपकी रचनाओं में अलंकार सहज ही प्रचुरता से दिखाई देते हैं । संस्कृत, प्राकृत और ब्रजभाषा पर आपका प्रभुत्व था । दोहा, सवैया और कवित्त पर आपका असाधारण अधिकार था ।
प्रमुख कृतियाँ : हिम्मत बहादुर विरुदावली, जगत-विनोद, यमुना लहरी, गंगा लहरी आदि (काव्य ग्रंथ) रामरसायन, हितोपदेश (अनुवाद) ।

पद्‌य संबंधी

सवैया : यह एक वार्णिक छंद है । इसमें चार चरण अथवा पद होते हैं । वार्णिक वृत्तों में २२ से २६ अक्षर के चरण होते हैं ।

प्रस्तुत सवैयों में पद्‌माकर जी ने वसंत और वर्षा ऋतुओं के विविध प्रभावों को छंद बद्‌ध किया है ।

शब्द संसार

कछारन (पुं. दे.) = किनारे, कगार
कुंजन (पुं.सं.) = कुंज
पौनहु (पुं. दे.) = पवन
पलासन (पुं.सं.) = टेसू, ढाक के फूल
नवेलिन (स्त्री.सं.) = नववधू
मंजुल (वि.) = सुंदर, मनहरण
दौरत (क्रि.) = दौड़ती है ।
दामिनी (स्त्री.सं.) = बिजली, दावनी
बुंदनि (स्त्री.सं.) = बूँद

लेखनीय

'वर्षा ऋतु के बाद प्रकृति का नया रूप' इसपर अपने अनुभव लिखिए ।

श्रवणीय

आकाशवाणी पर विविध प्रांतों के लोकगीतों को सुनिए तथा कोई एक गीत कक्षा में सुनाइए ।

आसपास

'जलसंवर्धन' के संदर्भ में जानकारी प्राप्त कीजिए।

पठनीय

विविध ऋतुओं में आने वाले त्योहारों के संदर्भ में जानकारी पढ़िए तथा उनके प्रमुख मुद्दों का संकलन कीजिए ।

कल्पना पल्लवन

निम्न शब्दों को लेकर चार पंक्तियों की कविता लिखिए ।
बादल, बिजली, धरती, नदी

पाठ के आँगन में

(१) सूचनानुसार कृतियाँ कीजिए :-

(क) कविता में वर्णित इनसे प्रभावित क्षेत्र :

वसंत	वर्षा
(१)	(१) ....
(२)	(२) ....
(३)	(३) ....
(४)	(४) ....

(ख) निम्नलिखित शब्दों के लिए कविता में प्रयुक्त शब्द लिखिए :

पवन	बारिश	मेंढक	पत्ता
↓	↓	↓	↓

(२) एक ही वर्ण का प्रयोग करते हुए अर्थपूर्ण शब्दों की रचना कीजिए तथा उनसे वाक्य तैयार कीजिए ।

(३) निम्नलिखित पद्य पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

(च) द्वार में दिसान में दुनी में देस-देसन में
देखौ दीप-दीपन में दीपत दिगंत है ।

(छ) 'बद्दलनि बुंदनि बिलोकी बगुलात बाग
बंगलान बलिन बहार बरषा है।'

पाठ से आगे

अंतरजाल से भारत में पाए जाने प्राकृतिक सौंदर्यवाले दर्शनीय स्थलों का वर्णन पढ़िए ।

7VTQJC

रचना बोध

....
....
....